# सांध्य दैनिक 4PM

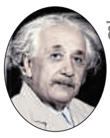

हम उसी सोच से समस्याओं का हल नहीं कर सकते, जिस सोच से वो उत्पन्न हुई है।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 257 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 29 अक्टूबर, 2022



खरना के साथ छठ महापर्व शुरू, बाजार... 7 | यूपी में संगठन को दुरुस्त करने... 3 | केशव मौर्य बोले, रामपुर के उपचुनाव... 2


## गुजरात में पंजाब वाला दांव

# केजरीवाल ने जनता से पूछा किसे बनाएं मुख्यमंत्री उम्मीदवार

- » चार नवंबर को सार्वजनिक करेंगे लोगों के सुझाव
- » दिल्ली में बैठकर मुख्यमंत्री तय करती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राज्य में पंजाब वाला दांव चला है। उन्होंने जनता से राज्य के मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर राय मांगी। उन्होंने इसके लिए एक मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी जारी की है। जिस पर तीन नवंबर को शाम पांच बजे तक जनता अपने सुझाव दे सकती है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में आप की सरकार बनने वाली है। ऐसे में हम किसे मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाएं इसका फैसला जनता करेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह पंजाब में हमने सीएम फेस के लिए कैंपेन चलाया था और जनता ने भगवंत मान को चुना था, उसी तरह गुजरात में हम अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। जनता तीन नवंबर तक बताए कि किसे पार्टी का मुख्यमंत्री बनना चाहिए। चार नवंबर को जनता की राय सार्वजनिक की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि एक साल पहले भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री बदल दिया। ये जनता से नहीं पूछते। दिल्ली में बैठकर मुख्यमंत्री तय करते हैं। हम लोग जनतंत्र में रहते हैं। जिसमें जनता तय करती है कि मुख्यमंत्री कौन होगा। आपने जनता से नहीं पूछा लेकिन आप ऐसा नहीं करते। हम जनता से पूछकर तय करते हैं कि आप किसे मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। अब पूरे गुजरात में यह माहौल बन चुका है कि आप की सरकार बनने वाली है। अगर आप की सरकार आ रही है तो जो भी हमारा मुख्यमंत्री उम्मीदवार होगा वह गुजरात का अगला सीएम बनेगा।

**आम आदमी पार्टी स्थानीय चेहरे पर लगाएगी दांव**

### राज्य में चल रही बदलाव की आंधी

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में बदलाव की आंधी चल रही है। 27 साल भाजपा ने शासन किया। 27 साल बाद इनके पास गिनाने के लिए एक भी काम नहीं है। भाजपा का पूरा कैंपेन आप को गालियां देने पर केंद्रित है। इनके बड़े-नेता, मंत्री केवल आप और केजरीवाल को गालियां देते हैं। हम इनसे बार-बार पूछते हैं कि 27 साल में क्या काम किया वो बताएं, इनके पास बताने को एक काम नहीं है। इनके पास अगले पांच साल के लिए कोई एजेंडा नहीं है।

### दो चरणों में हो सकते हैं चुनाव

माना जा रहा है कि चुनाव आयोग अगले महीने गुजरात चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव दो चरणों में होंगे और हिमाचल चुनाव की तरह इसके नतीजे भी आठ दिसंबर को आ सकते हैं।

# शिमला पहुंचीं प्रियंका गांधी फूंकेंगी चुनावी बिगुल

- » 31 अक्टूबर को जनसभा को करेंगी संबोधित
- » 12 नवंबर को एक चरण में होना है मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चुनावी बिगुल फूंकने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज शिमला पहुंच गयी हैं। वे पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए कुल्लू में रोड शो और मंडी में जनसभा करेंगी।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी आज सुबह चंडीगढ़ से सड़क मार्ग से छराबड़ा स्थित अपने घर पहुंचीं। 31 अक्टूबर को कुल्लू में रोड शो और मंडी में जनसभा के लिए प्रियंका गांधी शिमला से ही जाएंगी। शिमला के समीप छराबड़ा में प्रियंका गांधी का घर है। बीते दिनों भी प्रियंका गांधी और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी यहां पर आई थीं। गौरतलब है कि हिमाचल में एक चरण में पूरे प्रदेश में 12 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 8 दिसंबर को चुनावी नतीजे आएंगे।

# सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक, कहा स्वच्छ व सुरक्षित छठ पर्व का दें संदेश

- » घाटों पर लगाए जाएं स्वास्थ्य शिविर, तैनात की जाएं एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की टीमें
- » गुमशुदा के लिए बनाए जाएं हेल्प डेस्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सूर्य उपासना के महापर्व छठ की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगामी 30 व 31 अक्टूबर को लोकआस्था का महापर्व छठ मनाया जाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में इस पर्व की विशिष्ट परंपरा रही है। हमारा प्रयास हो कि हर एक व्रतधारी श्रद्धालु को अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध हों ताकि पर्व का आयोजन सुचारु तरीके से संपन्न हो। इस वर्ष स्वच्छ और सुरक्षित छठ का संदेश देकर लोगों की जरूरत के अनुसार सभी प्रबंध किए जाएं।

उन्होंने कहा कि नदी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल सहित जनसुविधा के प्रबंध किए जाएं। नदी की गहराई के अनुसार सुरक्षित क्षेत्र को चिन्हित किया जाए। छठ घाटों के पास स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। आपात स्थिति के लिए एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमों की तैनाती होनी चाहिए। कई बार छोटे बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं, ऐसे में एक हेल्प डेस्क की स्थापना भी कराई जाए। ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।

# केशव मौर्य बोले, रामपुर के उपचुनाव में कमल खिलेगा

» आजम खां की विधानसभा सदस्यता रद्द होने पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हेट स्पीच मामले में तीन साल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद सपा नेता आजम खां की यूपी विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई है। यूपी विधानसभा के प्रधान सचिव प्रदीप दुबे ने बताया कि विधानसभा सचिवालय ने रामपुर सदर विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट करते हुए कहा कि माननीय अध्यक्ष विधानसभा सतीश महाना ने मोहम्मद आजम खां की विधानसभा सदस्यता रद्द करने के फैसले का स्वागत है। रिक्त विधानसभा के उपचुनाव जब भी होंगे,भाजपा का कमल खिलेगा।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में रामपुर की एमपी/एमएलए अदालत ने सपा नेता और विधायक आजम खां को भड़काऊ भाषण देने के मामले में गुरुवार को दोषी करार देते हुए तीन साल कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी थी। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से जुलाई 2013 में जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक अगर सांसदों और विधायकों को किसी भी मामले में दो साल से ज्यादा की सजा होती है तो (संसद और विधानसभा से) उनकी सदस्यता अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के दिन से समाप्त हो जाएगी। बता दें कि आजम खां पर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मिलक कोतवाली इलाके के खातानगरिया गांव में जनसभा को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को भला-बुरा कहने पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। सपा नेता के इस बयान का वीडियो भी वायरल हुआ था। हालांकि इस मामले में गुरुवार को आजम खान को जमानत भी मिल गई थी।

## बीजेपी मजबूती के साथ लड़ेगी उपचुनाव : भूपेंद्र

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि आजम खां ने जैसा बोया है वही काट रहे हैं। उनका आचरण लोगों के साथ कैसा था, यह उनको सोचना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि रामपुर विधानसभा सीट पर जब उपचुनाव होगा तो बीजेपी अपना प्रत्याशी उतारेगी। दरअसल, सपा नेता आजम खान की विधानसभा की सदस्यता जाना तय माना जा रहा है. जिसके बाद से बीजेपी खान पर हमलावर है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बीजेपी रामपुर और मैनपुरी से मजबूती के साथ उपचुनाव लड़ेगी और दोनों सीटों पर जीत हासिल करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रामपुर लोकसभा का उपचुनाव जीते हैं वैसे ही उनकी सीट पर होने वाले विधानसभा के उपचुनाव को भी जीतेंगे। मैनपुरी की लोकसभा सीट पर भी जब उपचुनाव होगा तो बीजेपी अपना प्रत्याशी उतारेगी और जीत हासिल करेगी। वहीं शिवपाल यादव के स्टार प्रचारक ना बनाए जाने पर उन्होंने कहा है कि शिवपाल यादव तो 2012 से ही अलग-थलग पड़े हुए हैं। अखिलेश यादव अपने परिवार को भी नहीं संभाल पा रहे हैं। शिवपाल यादव को अपने बारे में सोचना चाहिए। बीजेपी में शिवपाल के आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर कोई बात नहीं हुई लेकिन बीजेपी के लिए कोई भी अछूता नहीं है।

## भारत संविधान से चलता है किसी एक व्यक्ति के फैसले से नहीं : संजय निषाद

» केजरीवाल के 'नोटों पर फोटो' वाले बयान पर मंत्री का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद कौशांबी पहुंचे। जहां उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। संजय निषाद ने नोटों पर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर को लेकर बीजेपी को घेरने की कोशिशों पर खुलकर बात की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अगर सारे काम केजरीवाल ही करते हैं तो वो लोकसभा क्यों नहीं जीत लेते हैं।

2024 में पता चलेगा कि कूड़ा करकट रहेगा या हम लोग लोग रहेंगे। संजय निषाद ने कहा कि मैं कहता हूं कि केजरीवाल सब करते हैं तो लोकसभा क्यों नहीं जीत लेते हैं। वो एक भी लोकसभा नहीं जीत पाए। 2024 में देखिएगा क्या रहेगा, कूड़ा करकट रहेगा या फिर हम लोग रहेंगे। संजय निषाद ने कहा कि विधानसभा की बात छोड़ दीजिए, ये बहुत छोटा चुनाव है। यदि हम काम नहीं करते हैं तो कैसे चुनाव जीत जाते हैं। किसी के कहने से कुछ नहीं होता। देश चलाना बड़ा काम है, राज्य चलाना और देश चलाना बहुत बड़ी बात है। केजरीवाल के नोटों पर लक्ष्मी एवं गणेश की फोटो लगाने के सवाल पर संजय निषाद ने कहा कि इसका जवाब अरविंद केजरीवाल ही दे सकते हैं कि वो किस मन से कह रहे हैं। भारत संविधान से चलता है। यहां एक प्रक्रिया है यहां लोकसभा, विधानसभा, विधान परिषद एवं राज्यसभा ये सारे सिस्टम हैं। वहां से निर्णय होते हैं, किसी एक व्यक्ति का फैसला नहीं चलता है। वो एक संवैधानिक पद पर हैं। वो पहले अपनी विधानसभा से पारित करके दें, पहले अपने सदस्यों से पारित करा लें, तब उनको प्रेस में आना चाहिए।

## आजीवन कारावास नियम है और मृत्युदंड अपवाद : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने फांसी की सजा के दो अलग-अलग मामलों में दिए फैसलों में कहा कि आजीवन कारावास नियम है और मृत्युदंड अपवाद है। जब अपराध के अनुपात में वैकल्पिक उम्रकैद की सजा पूरी तरह अपर्याप्त हो तभी फांसी की सजा देनी चाहिए। इस अहम टिप्पणी के साथ कोर्ट ने सुल्तानपुर व फैजाबाद (अब अयोध्या) के दो अलग-अलग हत्या के मामलों में सत्र अदालतों से फांसी की सजा पाए लईक व गोविंद पासी की फांसी की सजा को आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया।

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ ने दोनों फैसले लईक व गोविंद पासी की तरफ से फांसी की सजा के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनाए। इनमें दोनों को उक्त संबंधित जिलों की सत्र अदालतों से सुनाई गई फांसी की सजा के फैसलों को चुनौती दी गई थी।

पहला मामला सुल्तानपुर जिले के चांदा थाने से संबंधित था। इसमें अभियोजन का आरोप था कि 7 अक्तूबर 2015 को वादी के घर के सामने लघुशंका करने से टोकने पर लईक ने अपने साथी मोहम्मद उमर के साथ गौहर अली व जावेद अहमद की चापड़ मारकर हत्या कर दी थी।

## इंडिया फूड एक्सपो 2 से, 45 शहरों के उद्यमी लेंगे हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से दो से चार नवंबर तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंडिया फूड एक्सपो का आयोजन होगा। इसमें पूर्वांचल समेत उत्तर प्रदेश के 45 शहरों से 100 से अधिक उद्यमी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा तीन दिवसीय सेमिनार होगा, जिसमें फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमियों को इससे संबंधित जानकारी दी जाएगी। इस संबंध में मलदहिया स्थित विनायक प्लाजा में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की बैठक हुई। आईआईए की फूड प्रोसेसिंग कमेटी के राष्ट्रीय चेयरमैन दीपक बजाज ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग मशीनों तथा फूड प्रोसेसिंग तकनीकी का यह देश का सबसे बड़ा एक्सपो है।

इसमें बनारस समेत आसपास के जिलों से होटल उद्यमी, रेस्टोरेंट संचालक, बेकरी उत्पादों के निर्माता भाग लेंगे। इंडिया फूड एक्सपो में एमएसएमई के तहत ओडीओपी के विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे। देश एवं विदेश के फूड प्रोसेसिंग टेक्नालॉजी, मशीनों पर हुए नए इनोवेशन पर सेमिनार होगा। एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चौधरी ने कहा कि सरकार उद्योगों में उपयोग होने वाले विभिन्न लाइसेंस जैसे फायर, प्रदूषण आदि की प्रक्रिया को आसान करे। इसके अलावा टेक्सटाइल पॉलिसी 2017 की अनुदान राशि अवमुक्त करें, जिससे उद्योगों का सुगम संचालन हो। इसके अलावा राष्ट्रीय सचिव राजेश भाटिया ने सरकार से मिल रही ईज ऑफ डूइंग के तहत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी की छूट को लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर नीरज पारिख, प्रशांत अग्रवाल, अनुपम देवा, राहुल मेहता, पंकज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

## निरहुआ ने फिर उठाई अहीर रेजिमेंट बनाने की आवाज

» बोले- गृहमंत्री और रक्षामंत्री से हो चुकी है बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ से भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने एक बार फिर से भारतीय थल सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि वह चुनाव जीतने के बाद जब दिल्ली गए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से इस संबंध में बात की। निरहुआ ने कहा कि अहीर रेजिमेंट यादवों का हक है और इसका गठन होना भी चाहिए। इसके लिए वह हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं।

चुनाव जीतने बाद उन्होंने इस दिशा में प्रयास तेज कर दिया है। दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग काफी दिनों से चल रही है। वह इसके लिए लोकसभा में प्रश्न भी कर चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य रहा कि लॉटरी सिस्टम के कारण उनका नंबर नहीं आया। इसलिए वह इस मुद्दे को नहीं उठा सके। आजमगढ़ सांसद ने कहा कि आने वाले दिनों में जब भी लोकसभा में मौका मिलेगा वह इस पर सवाल जरूर करेंगे। उन्होंने बताया कि अहिर रेजिमेंट के संबंध में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री से बात हुई। उन्होंने बताया कि रेजिमेंट बनाने का कार्य सेना करती है। अभी उनके द्वारा नई रेजिमेंट नहीं बनाई जा रही है। लेकिन हम लोग इस पर बात करेंगे। लोकसभा उपचुनाव के दौरान दिनेश लाल यादव निरहुआ ने अहीर रेजिमेंट का मुद्दा उठाया था।

# यूपी में संगठन को दुरुस्त करने में जुटी कांग्रेस, युवाओं को मिलेगी तवज्जो

» सभी जाति के लोगों को प्रतिनिधित्व देने का तैयार किया जा रहा फॉर्मूला

» निकाय चुनाव के पहले कार्यकारिणी गठित करने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस एक बार फिर यूपी में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गयी है। नगर निकाय चुनाव के पहले पार्टी का शीर्ष नेतृत्व संगठन को विस्तार देने की तैयारी कर रहा है। रणनीति के तहत नयी कार्यकारिणी में सभी जातियों को प्रतिनिधित्व देने की योजना बनायी गयी है। इसके अलावा युवाओं में पैठ बनाने के लिए युवा चेहरों को भी तवज्जों देने का खाका तैयार किया जा रहा है। जल्द ही इस मामले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी फैसला ले सकती हैं।

यूपी में नगर निकाय चुनाव नजदीक है, ऐसे में कांग्रेस संगठन दुरुस्त करने में जुट गई है। नए प्रदेश अध्यक्ष की तैनाती के साथ ही अब नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जाना है। इसके लिए यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी से मुलाकात करने दिल्ली पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि प्रियंका से मुलाकात के बाद नई कार्यकारिणी का फार्मूला तय होगा। यूपी कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यकारिणी में कई नए चेहरों को जगह मिलेगी। इसके साथ ही वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा चेहरों को भी कार्यकारिणी में शामिल करने में तवज्जो प्रदान की जाएगी। इसके अलावा पार्टी में निष्क्रिय नेताओं से किनारा किया जाएगा। गौरतलब है कि पुरानी प्रदेश कार्यकारिणी में 100 से अधिक लोगों को शामिल किया गया था।

## विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को मिली थीं दो सीटें

विधान सभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ दो सीटों पर कब्जा कर सकी थी। यूपी विधान सभा चुनावों के इतिहास में कांग्रेस का यह सबसे खराब प्रदर्शन है जबकि इस चुनाव के लिए प्रदेश में खुद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मैदान में उतरीं थीं। कांग्रेस की ओर से सिर्फ अराधना मिश्रा मोना रामपुर खास और महराजगंज के फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी को जीत मिल सकी थी। इसके पहले, 2017 के विधान सभा चुनाव में पार्टी को सात सीटों से संतोष करना पड़ा था।

## बड़े पदों पर दिखा जातीय समीकरण

कांग्रेस ने पूर्व राज्य सभा सदस्य रहे बृजलाल खाबरी को यूपी का अध्यक्ष एक अक्टूबर को बनाया गया था। बसपा से आये बृजलाल के जरिये कांग्रेस ने दलित समाज को साधने की कोशिश की है, वहीं छह प्रांतीय अध्यक्षों में दो ब्राह्मण, एक मुस्लिम, एक भूमिहार और एक-एक कुर्मी व यादव बिरादरी से हैं। ऐसे में नए बने प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक व मंत्री अजय राय, पूर्व मंत्री नकुल दुबे, फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी, पार्टी के पदाधिकारी रहे अनिल यादव और योगेश दीक्षित अपने समाज में पार्टी को कितना मजबूत कर पाते हैं, यह वक्त ही बताएगा।

## नवंबर-दिसंबर में हो सकते चुनाव

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव नवंबर-दिसंबर में हो सकते हैं क्योंकि नगर निकायों के वर्तमान बोर्ड का कार्यकाल 5 जनवरी 2023 तक है। आयोग को चुनाव की घोषणा से पहले सरकार की मंजूरी लेनी होगी। सरकार के नोटिफिकेशन के बाद ही ऐलान होगा। वहीं निर्वाचन आयोग निकाय चुनाव की तैयारियों में काफी तेजी के साथ लगा है। राज्य चुनाव आयोग ने यूपी की 17 नगर निगम, 746 नगर पालिका और नगर पंचायत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान का कार्यक्रम जारी कर दिया है.

# लखनऊ में नए सिरे से आरक्षण की तैयारी

» बदल जाएगा कई सीटों का समीकरण

» रैपिड सर्वे (पिछड़ा वर्ग) की गणना का काम पूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रैपिड सर्वे (पिछड़ा वर्ग) की गणना का काम पूरा होने से नगर निगम के 110 वार्डों में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो जाएंगी। इस गणना से सीटों पर जातीय समीकरण भी बदल जाएगा। वार्डों का आरक्षण का खाका तय होने के बाद ही स्थितियां साफ हो पाएंगी लेकिन मौजूदा पार्षदों के साथ ही पहली बार चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों की भी धुकधुकी तेज हो गई है, वार्ड का जातीय समीकरण कैसा होगा? 2017 के निकाय चुनाव में पिछड़ा (जनगणना 2011 के आधार पर) वर्ग के लिए 20 सीटें आरक्षित की गई थीं, जो अब नगर निगम सीमा में विस्तारित क्षेत्र शामिल होने से बढ़ गई है।

बता दें कि पिछड़े वर्ग की आबादी बढ़ने से आरक्षण का लाभ भी इस वर्ग को अधिक मिलेगा। निकाय चुनाव में बीस के बजाय 21 सीटें पिछड़ा वर्ग (पुरुष-महिला) के लिए आरक्षित हो जाएंगी। इसी तरह अनुसूचित जाति की सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी। इस वर्ग के लिए अभी तक बारह सीटें (महिला पुरुष) थीं, जो बढ़कर 14 हो जाएंगी। अनारक्षित सीट पर कैंची चल जाएगी। वर्ष 2017 के चुनाव में अनारक्षित सीट (सामान्य वर्ग) की सीटों की संख्या 53 थी जो अब घटकर 50 हो जाएंगी। इसी तरह 25 सीटें महिला आरक्षित होंगी।

## लखनऊ नगर निगम की आबादी 30.86 लाख

वर्ष 2011 की जनगणना में नगर निगम सीमा की आबादी 28.17 लाख थी। 2017 में रैपिड सर्वे (2011 की जनगणना के आधार पर किया गया था। तब पिछड़े वर्ग की संख्या 5.30 हजार थी। 2020 में 88 गांवों के नगर निगम में शामिल होने से 2.69 लाख आबादी बढ़ गई थी। अब नगर निगम की आबादी 2011 की जनगणना के आधार पर 30.86 लाख हो गई है। वहीं आपत्तियां नगर निगम रैपिड सर्वे (पिछड़ा वर्ग की गणना) की अंतिम रिपोर्ट को शासन भेजने से पहले आपत्तियां मांगेंगा। नगर निगम के जोनल कार्यालयों में पिछड़ा वर्ग की सूची चस्पा की जाएगी, जिससे लोग आपत्तियां दर्ज कर सकेंगे।

## राज्य सरकार ने निकाय चुनाव की तैयारियां की तेज

लोकसभा चुनाव 2024 का सेमीफाइनल माने जा रहे स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों में सभी दल अपनी ताकत लगाए हुए हैं। हालांकि अभी महापौर से लेकर नगर पालिका व नगर पंचायतों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन सभी दल मतदाताओं पर पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं। दीपावली पर खूब मतदाता मिलन हुआ। इसी क्रम में सभी दल समीकरण बनाने में जुट गए हैं। बैठक कर वोटरों पर अपनी पकड़ बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि नवंबर के दूसरे हफ्ते में निकाय चुनाव पर काम शुरू हो जाएगा। प्रदेश में छह चरणों में यह चुनाव कराया जा सकता है। 4 नवंबर तक वार्डों में आरक्षण की सूची भी क्लीयर हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां जारी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# नदियों में प्रदूषण का सवाल

> सवाल यह है कि तमाम दावों के बावजूद नदियों को निर्मल क्यों नहीं किया जा सका है? नदियों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये कहां खर्च किए गए? गंगा और यमुना जैसी नदियों में शहरों की सारी गंदगी क्यों बहाई जा रही है? सीवेज के पानी को संशोधित करने के लिए पर्याप्त संख्या में प्लांट क्यों नहीं लगाए गए हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है?

*छठ पर्व के मौके पर एक बार फिर नदियों में प्रदूषण का सवाल उठ खड़ा हुआ है। इस बार भी सियासी वार-पलटवार हो रहे हैं लेकिन नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिख रही है। अदालतों के आदेशों का भी सरकार पर असर पड़ता नहीं दिख रहा है। लिहाजा लोग आज भी प्रदूषित नदियों में डुबकी लगाने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि तमाम दावों के बावजूद नदियों को निर्मल क्यों नहीं किया जा सका है? नदियों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये कहां खर्च किए गए? गंगा और यमुना जैसी नदियों में शहरों की सारी गंदगी क्यों बहाई जा रही है? सीवेज के पानी को संशोधित करने के लिए पर्याप्त संख्या में प्लांट क्यों नहीं लगाए गए हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण में इतनी लापरवाही क्यों बरती जा रही है? क्या केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वय और सहयोग के बिना नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाया जा सकता है?*

*देश की अधिकांश नदियां आज प्रदूषण से कराह रही हैं। गंगा और यमुना में शहर की सारी गंदगी बहाई जा रही है। दिल्ली में यमुना गंदे नाले में तब्दील हो चुकी है। यमुना में दिल्ली की अस्सी फीसदी गंदगी बहाई जा रही है। यूपी में बह रही हिंडन और गोमती का भी यही हाल है। प्रदूषण का आलम यह है कि इसका जल आचमन योग्य नहीं है। गंगा में प्रदूषण के स्तर में खास सुधार होता नहीं दिख रहा है। यह स्थिति तब है जब स्वच्छ गंगा मिशन का अभियान कई वर्षों से जारी है और हर साल करोड़ों का बजट इसके लिए आवंटित किया जाता है। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट भी अपनी नाराजगी जता चुका है और मिशन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठा चुका है। हालत यह है कि गंगा नदी में आज भी सीवेज का पानी बिना संशोधित किए गिराया जा रहा है। कई जगह पर एसटीपी शोपीस बने हुए हैं और इसकी निगरानी की व्यवस्था नहीं है। हैरानी की बात यह है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता है। लिहाजा करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी नदियों का प्रदूषण कम नहीं हो रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण नदियों में रहने वाले जीव-जंतुओं के खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है वहीं इन नदियों के किनारे बसे लोगों की सेहत के लिए भी यह खतरनाक साबित हो रहा है। सच यह है कि नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए सरकार दावे भले कर रही हो हकीकत में कोई खास परिणाम नहीं दिख रहा है। यदि नदियों को निर्मल करना है तो केंद्र और राज्य सरकारों को सामूहिक प्रयास करने होंगे और इसके लिए कारगर रणनीति बनानी होगी। केवल सियासत से नदियां संरक्षित नहीं हो सकेंगी।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# रूस-यूक्रेन संघर्ष और भारत की अहमियत

पुष्परंजन

रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु से उनके समकक्ष राजनाथ सिंह सितंबर, 2020 में मास्को में मिले थे। तब चीन के साथ सीमा पर तनातनी थी। कालचक्र देखिये कैसे घूमता है। 26 अक्टूबर, 2022 को जनरल सर्गेई ने फोन पर राजनाथ सिंह से अपनी समस्या के लिए बात की। उनकी चिंता यूक्रेन में तथाकथित डर्टी बम को लेकर है। जनरल सर्गेई ने ऐसी ही बातें चीन के प्रतिरक्षा मंत्री वेई फेंघी से भी की हैं। भारत-चीन के दोनों समकक्षों से सर्गेई ने यदि अपनी चिंताएं साझा की हैं तो इसके रणनीतिक मायने हैं। रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई के साथ सेना प्रमुख वलेरी गेरासिमोव ने भी पश्चिमी देशों में अपने समर्थक सेनाध्यक्षों को फोन करके कहा कि यूक्रेन विनाशकारी डर्टी बम के निर्माण में लगा है। इसके बरअक्स यूक्रेन के विदेशमंत्री दिमित्रो कुलेबा ने विएना स्थित अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण (आईएईए) को पत्र लिखकर जांचकर्ताओं को तत्काल भेजने की मांग की है।

'आईएईए' के डीजी, राफाएल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे एक्सपर्ट जल्द यूक्रेन जाएंगे। डर्टी बम का डर कभी इराक में पैदा किया गया था। वह मुल्क सद्दाम हुसैन सहित तबाह हो गया। वही डर इस समय यूक्रेन में है। भारत ने 25 अक्टूबर, 2022 को एक बार फिर एडवाइजरी जारी की है कि यूक्रेन में जो बचे-खुचे भारतीय हैं, वो तत्काल देश छोड़ दें। डर्टी बम को परमाणु बमों की तुलना में बनाना आसान और काफी सस्ता है। इसे 'रेडियोलॉजिक डिस्पर्सन डिवाइस' भी कहते हैं। मारक मामले में ये बहुत सटीक नहीं होते मगर इससे एक सीमित इलाके में जान-माल का नुकसान होता ही है। डर्टी बमों में डायनामाइट जैसे पारंपरिक विस्फोटक का प्रयोग होता है। इन्हें रेडियोधर्मी पदार्थ के साथ पैक किया जाता है। धमाके के जोर से रेडियोधर्मी पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। वही रेडियोधर्मी पदार्थ की मात्रा इसे घातक बनाती है। अब तक दुनिया में किसी हिस्से में डर्टी बम के विस्फोट का रिकॉर्ड नहीं है। 2002 में शिकागो के पास एक अमेरिकी नागरिक ख़ोसे पेडिला को डर्टी बम की तैयारी के शक में पकड़ा गया था। उसके संबंध अल कायदा से बताये गये थे। सद्दाम हुसैन, जिस पर यूएस इंटेलिजेंस ने शक किया था कि उसने अपने एटमी वैज्ञानिकों को डर्टी बम बनाने के आदेश दिये थे। इस समय यूक्रेन के चार एटमी प्लांट्स में 15 रिएक्टर संचालित हैं। 'आईएईए' से

जांचकर्ताओं की टीम खेमलनिस्की, रिव्ने, यूजनूयूक्रेंस, जापोरिझिया न्यूक्लियर प्लांट में से कहां जाती है, अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। 30 मार्च, 2022 को मास्को ने दावा किया था कि यूक्रेन में खतरनाक वायरस स्टोर किए गए हैं, जिसे रूस के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। तब कहा गया था कि अमेरिका के पास 30 देशों में 336 जैविक अनुसंधान लैब हैं, जिनमें 26 प्रयोगशालाएं यूक्रेन में हैं। मास्को ने संदेह व्यक्त किया था कि अमेरिका की मदद से यूक्रेन इन लैब्स के जरिए रूस पर जैविक हथियारों से हमला कर सकता है। सवाल यह है कि क्या यही सब बताने के लिए रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई ने फोन किया था या कोई और एजेंडा है? यह बात समझ में आती है कि समरकंद एससीओ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन मामले में जो नसीहत प्रेसिडेंट पुतिन को दे आये थे, उसके हवाले से भारत को रणभूमि की वस्तुस्थिति से अवगत कराना रूसी सत्ता प्रतिष्ठान आवश्यक समझता है। भारत इस समय शंघाई कॉर्पोरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) का अध्यक्ष देश है, अगले साल इसकी शिखर बैठक भी यहां होनी है। शायद ये वजहें हैं कि पुतिन भारत को भरोसे में लेना जरूरी समझते हों। इससे अलग जो सैन्य साजो-सामान भारत, रूस से मंगा रहा है, उसकी पेमेंट की दिक्कतें भी दरपेश होने लगी हैं। 2023 तक रूस को एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की सभी पांच रेजिमेंट्स की डिलीवरी भारत को कर देनी है। इस वास्ते 200 विशेषज्ञों की एडवांस ट्रेनिंग भी रूस में हो चुकी है। इसके एवज में 5.5 अरब डॉलर का पेमेंट भारत किस रूप में रूस को कर पायेगा? संभवतः बातचीत के एजेंडे में यह भी शामिल हो। जून, 2022 तक भारत-रूस का व्यापार 11 अरब डॉलर को पार कर चुका था। लक्ष्य यह है कि 2025 आते-आते उभयपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर को छू जाए। रूस इन दिनों चीन, अफगानिस्तान, सेंट्रल एशियाई देशों, ईरान-पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब की नई धुरी तैयार करने की कवायद में है। भारत को कैसे अपने आईने में उतारें, इसकी चिंता से मास्को मुक्त नहीं है। यूक्रेन के सवाल पर भारत, यूएन से लेकर समरकंद तक अपनी तटस्थता जाहिर कर चुका है। यह तटस्थता ही भारत की ताकत बन चुकी है वरना जनरल सर्गेई शोइगु को यह बताने की जरूरत नहीं थी कि मास्को डर्टी बम से डर रहा है।

# सौर ऊर्जा से बढ़ती आत्मनिर्भरता

सुधीर कुमार

**भारत में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल के बदलते परिदृश्य का मोढेरा उल्लेखनीय उदाहरण बन गया है। जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खतरे से जूझती दुनिया के समक्ष किफायती और पर्यावरण अनुकूल नवीकरणीय संसाधन के रूप में सौर ऊर्जा की लोकप्रियता और मांग तेजी से बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में सौर ऊर्जा ऊर्जा का स्योर, प्योर और सिक्योर माध्यम है।**

हाल में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुजरात के जिस मोढेरा गांव का दौरा किया, उसे बीते दिनों देश का पहला पूर्ण सौर संचालित गांव घोषित किया गया है। एक छोटे से गांव में हुई इस अनोखी पहल की सराहना करते हुए गुटेरेस ने कहा कि यह कदम ग्रामीणों का जीवन बदलने और जलवायु कार्रवाई की दिशा में बेहद अहम है। साढ़े छह हजार की आबादी वाले इस गांव के घर, स्कूल, अस्पताल और मंदिर भी सौर ऊर्जा से जगमगा रहे हैं। ऊर्जा संकट के दौर में मोढेरा गांव बिजली पर निर्भरता समाप्त कर इतरा रहा है। यह पहल आर्थिक बचत के साथ सामाजिक सशक्तीकरण में भी मददगार साबित हो रही है।

भारत में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल के बदलते परिदृश्य का मोढेरा उल्लेखनीय उदाहरण बन गया है। जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खतरे से जूझती दुनिया के समक्ष किफायती और पर्यावरण अनुकूल नवीकरणीय संसाधन के रूप में सौर ऊर्जा की लोकप्रियता और मांग तेजी से बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में सौर ऊर्जा ऊर्जा का स्योर, प्योर और सिक्योर माध्यम है। सौर ऊर्जा असमाप्य, सर्वव्यापी, पर्यावरणीय दृष्टि से स्वच्छ और प्रदूषण रहित तथा सबको समान लाभ पहुंचाने वाला ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। यह पृथ्वी पर सबसे प्रचुर मात्रा में उपलब्ध स्वच्छ और सुलभ ऊर्जा संसाधन है। देश में साल के लगभग तीन सौ दिन तेज धूप पड़ती है। माना जाता है कि पृथ्वी की सतह पर एक से डेढ़ घंटे के दौरान पड़ने वाली सूरज की रोशनी को अगर ऊर्जा में तब्दील कर दिया जाए तो इससे दुनियाभर में एक साल में खपत होने वाली ऊर्जा मांग की पूर्ति हो सकती है। इसमें हम थोड़े भी कामयाब हो जाते हैं, तो यह ऊर्जा संकट को कम करने और विद्युत के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाने में सहायक हो सकती है।

ऐसे समय में जब भारत अंतरराष्ट्रीय सौर संगठन का नेतृत्व कर रहा है, तब इस दिशा में पर्याप्त निवेश किये जा सकते हैं। अक्षय ऊर्जा स्रोतों में केवल एक बार निवेश की आवश्यकता होती है, फिर यह कई वर्षों तक बिना खर्च के ऊर्जा प्रदान करते रहते हैं। सौर ऊर्जा की प्राप्ति की प्रक्रिया भी अत्यंत सरल है। केवल सोलर पैनल लगवाने तथा बैटरी खरीदने में ही प्राथमिक खर्च आता है। न तो बार-बार उसमें ईंधन देने की जरूरत होती है और न ही उसके रख-रखाव पर कोई खर्च आता है। सौर ऊर्जा का भविष्य तब तक उज्ज्वल है, जब तक इस सृष्टि का अस्तित्व है। इसके प्रयोग से बिजली पर निर्भरता घटती है और खर्च भी कम होता है। इस तरह सौर ऊर्जा आर्थिक बचत का साधन भी है। परंपरागत ऊर्जा स्रोतों तथा जीवाश्म ईंधनों पर दबाव कम करने के लिए सौर ऊर्जा की विकेंद्रीकृत योजना को अपनाने की दरकार है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत मोढेरा के आवासीय और सरकारी भवनों के शीर्ष पर 13 सौ सोलर पैनल लगाये गये हैं, जो सूर्य की रोशनी को ऊर्जा में बदल कर गांव को रोशन कर रहे हैं।

जिस मोढेरा को लोग केवल ऐतिहासिक सूर्य मंदिर के लिए जानते थे, अब उसकी पहचान सौर ऊर्जा के आदर्श गांव के तौर पर हो रही है। इस तरह सौर ऊर्जा ने उस गांव के वर्तमान को ही नहीं बल्कि आगामी कई पीढ़ियों का भविष्य संवार दिया है। मोढेरा निवासी इस ऊर्जा का इस्तेमाल अन्य घरेलू, कृषि संबंधी और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। अब यहां के लोगों को हजारों रुपये का बिजली बिल भुगतान करने से मुक्ति मिल गयी है। इस बचत से वे अन्य कार्य संपादित कर पा रहे हैं। यही नहीं, सौर ऊर्जा से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को ग्रिड को बेचने से धन की प्राप्ति भी हो रही है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोलर रूफ टॉप योजना शुरू की है। राज्य सरकारें भी सौर पैनल लगवाने के लिए अनुदान दे रही हैं। सक्षम लोगों को आगे आकर मोढेरा की तरह अपने गांवों व शहरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की पहल करनी चाहिए। सौर ऊर्जा से इतर पवन, भूतापीय और जल जैसे नवीकरणीय साधनों के इस्तेमाल को भी बढ़ावा देना चाहिए।

इसके समुचित विकास से गैर-नवीकरणीय स्रोतों पर दबाव निश्चित तौर पर कम होगा, जिससे सतत पोषणीय विकास के लक्ष्य की प्राप्ति आसान होगी। देशभर में सौर पैनल का जाल बिछाने से ऊर्जा संसाधन से वंचित प्रदेशों को भी आधुनिकतम ऊर्जा स्रोतों से जोड़ने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि पेरिस जलवायु समझौता (2015) के बाद भारत 122 देशों के साझे अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अक्षय ऊर्जा के विकास की गति सराहनीय है। सौर ऊर्जा के उपयोग से सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। उपयोग के साथ-साथ ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण के उपाय भी आवश्यक हैं। सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन एवं ऊर्जा बचत के सिद्धांत पर बल देना देश, समाज और पर्यावरण के लिए हितकारी होगा।

# चेहरे पर चाहते हैं बेहतरीन चमक तो इस्तेमाल करें संतरे के छिलके

चेहरे की शीशे सी चमकती त्वचा हर लड़की की चाहत होती है। लेकिन दाग-धब्बे और डलनेस की वजह से मुमकिन नहीं हो पाता। अगर आप चाहती हैं कि चेहरे पर चमक नेचुरल तरीके से बनी रहे। तो संतरे के छिलके का इस्तेमाल करें। सर्दियों का मौसम आते ही रूखी त्वचा परेशान करने लगती है। जिससे छुटकारा पाने के लिए आप संतरे का छिलका इस्तेमाल में लाएं। वैसे भी रूखी त्वचा के लिए संतरे का छिलका बेहद असरदार होता है। तो चलिए जानें कैसे निखरी और शीशे सी दमकती त्वचा के लिए इस छिलके को इस्तेमाल में लाएं। संतरे को खाने के बाद इसके छिलके को फेंके नहीं बल्कि इसे सुखा लें। जब ये अच्छी तरह से सूख जाए तो इसका पाउडर बनाकर रख लें। संतरे में विटामिन सी काफी मात्रा में होता है जो स्किन के लिए बेहद जरूर होता है।

## ऐसे बनायें पैक

रूखी त्वचा के लिए संतरे के छिलके का पैक बनाने के लिए एक चम्मच छिलके का पाउडर लें। साथ में शहद और छोटा चम्मच दूध भी लें। इन सारी चीजों को मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। ये नेचुरल स्क्रब है। इसे हल्के हाथों से मसाज करते हुए चेहरे को साफ करें। दो से तीन मिनट बाद पानी से चेहरा धो लें।

## ऐसे लगायें पैक

अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो संतरे के छिलके के पाउडर को एलोवेरा जेल और नींबू के रस में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। ये नेचुरल स्क्रब तैलीय त्वचा पर असरदार रहता है। चेहरे को स्क्रब कर साफ पानी से चेहरा धो लें। ये नेचुरल स्क्रब चेहरे को मॉइश्चराइज भी करता है। हालांकि चेहरा धोने के बाद लाइट मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। टैनिंग चेहरे से हटानी हो तो एक चम्मच संतरे के छिलके के पाउडर को हल्दी में मिलाएं। इसे शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। करीब पांच से दस मिनट बाद चेहरे को साफ कर लें। ध्यान रहे कि अगर चेहरे पर एक्ने हो तो इस फेसपैक को ना लगाएं।

# रूखे बाल भी हो जाएंगे सिल्की और मुलायम, अपनाएं ये टिप्स

बाल अक्सर रूखे और बेजान हो जाते हैं। वजह है केमिकल वाले प्रोडक्ट और शैंपू। वहीं सर्दियां शुरू होते ही ये समस्या और बढ़ जाती है। अगर आप भी रूखे और बेजान बालों की समस्या से परेशान रहती हैं और अक्सर बाल शर्मिंदा पैदा कर देते हैं। तो बालों में लगाएं ये हेयर मास्क। अक्सर लड़कियां बालों को सिल्की और स्मूद बनाने के लिए पार्लर का सहारा लेती हैं लेकिन आप चाहें तो घर में भी बालों को सिल्की बना सकती हैं। तो चलिए जानें कौन सा हेयर मास्क आपके बालों को बनाएगा खूबसूरत और मजबूत। महिलाओं की सुंदरता में चार चांद लगाने का काम बाल करते हैं। वहीं खूबसूरत बाल हर महिला की ख्वाहिश भी होती है। ऐसे में जब वो किसी दूसरी लड़की के अच्छे बाल देखती हैं तो उन्हें अपने बालों को लेकर बुरा लगता है। आप भी अपने बालों को कम पैसे में सिल्की बना सकती हैं। इसके लिए जरूरत होगी बस इन सामान की।

## ऐसे बनायें पैक

दही दो चम्मच, मेयोनीज एक कप, शहद एक चम्मच, नारियल का तेल दो चम्मच। इन सारी सामग्री को आप अपने बालों की लंबाई के हिसाब से ले सकती हैं। बस सारी चीजों को अच्छी तरीके से मिक्स कर लें। इस पेस्ट को बालों की जड़ों को छोड़कर पूरे बालों में लगा लें। इसे पूरा बालों के निचले हिस्से तक लगाएं। करीब आधे घंटे बाद बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए किसी माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करें। सप्ताह में दो बार इस हेयर मास्क को लगाने से बालों में फर्क दिखने लगता है

## हेयर मास्क है फायदेमंद

हेयर मास्क लगाने से बाल सिल्की हो जाते हैं। जिससे वो उलझकर कम टूटते हैं। दही बालों के लिए काफी फायदेमंद है। साथ ही नारियल का तेल बालों को मजबूत बनाता है। हेयर मास्क लगाने से बालों को मॉइश्चर मिलता है। जिससे वो सिल्की और मुलायम हो जाते हैं। और बाल चमकदार दिखने लगते हैं।

## हंसना मना है

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे. किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? जरूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति : अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखें दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी : अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है: रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है !

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है॰ वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड़ मारे और बोली आप क्या समझते है मै आपसे प्यार नहीं करती।

वाइफ : प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है. सरदार: अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आँखें बंद कर ले।

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

## कहानी — बंदर का हृदय

किसी नदी के तट पर एक वन था। उस वन में एक बंदर निवास करता था, जो वन के फल आदि खा कर अपना निर्वाह करता था। नदी में एक टापू भी था और टापू और तट के बीच में एक बड़ी सी चट्टान भी थी। जब कभी बंदर को टापू के फल खाने की इच्छा होती वह उस चट्टान पर उस टापू पर पहुँच जाता और जी भर अपने मनचाहे फलों का आनंद उठाता। उसी नदी में घड़ियालों का एक जोड़ी भी रहती थी। जब भी वह उस हृष्ट-पुष्ट बंदर को मीठे-रसीले फलों का आनंद उठाते देखती तो उसके मन में उस बंदर के हृदय को खाने की तीव्र इच्छा उठती। एक दिन उसने नर घड़ियाल से कहा, प्रिय ! अगर तुम मुझसे प्रेम करते हो तो मुझे उसका हृदय खिला कर दिखा दो, नर घड़ियाल ने उसकी बात मान ली। दूसरे दिन बंदर जैसे ही टापू पर पहुँचा नर-घड़ियाल टापू और तट के बीच के चट्टान के निचले हिस्से पर चिपक गया। वह बंदर एक बुद्धिमान प्राणी था । शाम के समय जब वह लौटने लगा और तट और टापू के बीच के चट्टान को देखा तो उसे चट्टान की आकृति में कुछ परिवर्तन दिखाई पड़ा । उसने तत्काल समझ लिया कि जरुर कुछ गड़बड़ी है। तथ्य का पता लगाने के लिए उसने चट्टान को नमस्कारकरते हुए कहा, हे चट्टान मित्र! आज तुम शांत कैसे हो ? मेरा अभिवादन भी स्वीकार नहीं कर रही हो ? घड़ियाल ने समझा, शायद चट्टान और बंदर हमेशा बात करते रहते हैं इसलिए उसने स्वर बदल कर बंदर के नमस्कार का प्रत्युत्तर दे डाला । बंदर की आशंका सत्य निकली । बंदर टापू में ही रुक तो सकता था मगर टापू में उसके निर्वाह के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं था। जीविका के लिए उसका वापिस वन लौटना अनिवार्य था। अत: अपनी परेशानी का निदान ढूंढते हुए उसने घड़ियाल से कहा, मित्र! चट्टान तो कभी बातें नहीं करती। तुम कौन हो और क्या चाहते हो? दम्भी घड़ियाल ने तब उसके सामने प्रकट हो कहा, ओ बंदर ! मैं एक घड़ियाल हूं और तुम्हारा हृदय अपनी पत्नी को खिलाना चाहता हूं। तभी बंदर को एक युक्ति सूझी । उसने कहा, हे घ?ियाल ! बस इतनी सी बात है तो तुम तत्काल अपनी मुख खोल दो, मैं सहर्ष ही अपने नश्वर शरीर को तुम्हें अर्पित करता हूँ। बंदर ने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानता था कि जब घड़ियाल मुख खोलते हैं, तो उनकी आंखें बंद हो जाती हैं। फिर जैसे ही घड़ियाल ने अपना मुख खोला, बंदर ने तेजी से एक छलांग उसके सिर पर मारी और दूसरी छलांग में नदी के तट पर जा पहुंचा। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से बंदर ने अपने प्राण बचा लिए ।

## 10 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**
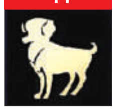
आज आप कुछ क्रिएटिव करना चाहेंगे इसमें आपको अपने किसी खास रिश्तेदार या पड़ोसी का सहयोग मिल सकता है। धन को लेकर स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्चा पर ध्यान दें।

**तुला**
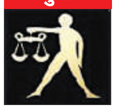
आप किसी तीर्थ यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। इससे मानसिक शांति मिलेगी। मन में बड़े अच्छे विचार आएंगे और आप अपने साइड इनकम पर भी ध्यान देंगे।

**वृषभ**
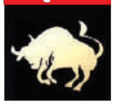
आज का दिन आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता रहेगी। परिवार में आज सुखद वातावरण का माहौल रहेगा। दाम्पत्य संबंध आज मधुरता से भरपूर रहेगा।

**वृश्चिक**

आज का दिन सफलता देने वाला होगा. आज आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपको महत्त्वपूर्ण सलाह दे सकता है। इस राशि के लोग उधार लेने और देने से बचें. आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है।

**मिथुन**

आज आपका कुछ बढ़िया खाने का मन करेगा और पैसे को लेकर स्थिति आज अच्छी होगी। कहीं से रुका हुआ, पैसा वापस आने से मन में हर्ष होगा।

**धनु**

आज का दिन मान आपके लिए बहुत खूबसूरत रहेगा। आप अपने अनुभव और अपनी कार्यक्षमता का प्रदर्शन लगभग सभी क्षेत्रों में करेंगे। आपकी इनकम भी बढ़ेगी और आज अपने विरोधियों पर भी भारी पड़ेंगे।

**कर्क**

आज आपका मन स्थिर रहेगा। ऑफिस में आज आपकी परफॉरमेंस अच्छी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से खुश होकर कोई बुक गिफ्ट कर सकते हैं। सहकर्मी आपके पक्ष में रहेंगे।

**मकर**

आज का दिन मनोकामना पूरी करने वाला है। आज आपको अपने लोगों के बीच अपनी अच्छी छवि बनाने का पूरा मौका मिलेगा। आपके दुश्मन आपसे दूर ही रहेंगे।

**सिंह**
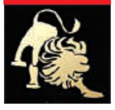
आज के दिन मन में खुशी का भाव होगा। अपने दोस्तों के साथ मौज मस्ती करेंगे। काम को लेकर स्थिति अच्छी होंगी। आप इंटरनेट के जरिए, कोई नई नौकरी का ऑफर पा सकते हैं।

**कुम्भ**
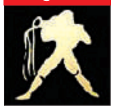
अपनी संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपके मन में हर्ष की भावना भर देगी। जीवन साथी से भी प्रेम मिलेगा और फैमिली का सपोर्ट और प्यार देखकर आप खुश नजर आएंगे।

**कन्या**

आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आर्थिक स्थिति में पहले से काफी सुधार आएगा। स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस को आगे बढाने का प्लान बना सकते है।

**मीन**
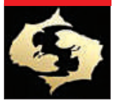
आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आ रहा है। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आप के अच्छे वयवहार का अच्छा परिणाम आपको जरूर मिलेगा।

बॉलीवुड मसाला

# अमेजन प्राइम प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई पोन्नियन सेलवन-1

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन -1 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। फिल्म को हर भाषा में पसंद किया गया है। इस हिस्टोरिकल पीरियड ड्रामा फिल्म ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। फिल्म में ऐश्वर्या राय की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है। जिसने भी फिल्म को थिएटर में देखा है फिल्म की तारीफ की है। फैंस के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। बता दें कि पन्निyin सेलवन आज ओटीटी पर रिलीज हो गई है।

**ओटीटी पर रिलीज हुई पन्नियिन सेलवन**

चोल साम्राज्य की कहानी पर आधारित फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में उपलब्ध है। लेकिन फिल्म को देखने के लिए आपको 199 रुपये देने होंगे। क्योंकि फिल्म को अमेजन प्राइम रेंटल पर रिलीज किया है।

**4 नवंबर को सभी यूजर्स देख पाएंगे फिल्म**

चोल साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की साक्षी पन्नियिन सेलवन-1 को 4 नवंबर, 2022 सभी प्राइम यूजर्स देख सकते हैं।

**हिन्दी में कब होगी रिलीज**

पोन्नियिन सेलवन -1 30 सितंबर को थिएटर में रिलीज हुई थी। फिल्म रिलीज के 1 महीने के बाद से ही फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया है। फिल्म मेकर्स फिल्म की पॉपुलैरिटी का फायदा उठाने के लिए तैयार है। हिंदी भाषा में फिल्म कब रिलीज होगी इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड मन की बात

# पांडे लेकर आ रहे एक और क्राइम थ्रिलर खाकी : द बिहार चैप्टर

ए वेडनेस डे, स्पेशल 26, बेबी, एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्मों के लिए पहचान रखने वाले फिल्म निर्माता नीरज पांडे खाकी- द बिहार चैप्टर नामक एक नया शो लेकर आ रहे हैं। यह एक स्ट्रीमिंग शो होगा जो बिहार के सबसे खतरनाक अपराधी के पकड़े जाने की सच्ची कहानी पर आधारित है। सीरीज कानून के दो ध्रुवों पर खड़े दो पुरुषों के बीच संघर्ष की कहानी है - एक खूंखार गिरोह का सरगना है और दूसरा भारतीय पुलिस सेवा का एक बेहद ईमानदार अधिकारी अमित लोढ़ा। यह शो जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगा और पांडे के लिए यह पहला शो होगा, जो इससे पहले डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ स्पेशल ऑप्स जैसे शो में काम कर चुके हैं। नेटफ्लिक्स और अपनी आगामी सीरीज पर नीरज ने एक बयान में कहा, मैं हमारी आगामी श्रृंखला खाकी-द बिहार चैप्टर के साथ नेटफ्लिक्स के साथ फ्राइडे स्टोरीटेलर्स (उनके प्रोडक्शन बैनर) की साझेदारी की घोषणा कर बहुत उत्साहित हूं। कहानी की एक झलक साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह थ्रिलर, 2000 के दशक की शुरुआत की बिहार की एक कहानी है जिसे हम बनाना और साझा करना चाहते हैं। भाव धूलिया और मेरे साथी शीतल भाटिया की मदद से हमने इसे जीवंत करने का प्रयास किया है। इस शो को झारखंड और बिहार में कई कोविड लहरों के बीच बेहद कठिन परिस्थितियों में शूट किया गया, और इसमें करण टेकर, अविनाश तिवारी, आशुतोष राणा, रवि किशन, अनूप सोनी, जतिन सरना, निकिता दत्ता, अभिमन्यु सिंह, ऐश्वर्या सुष्मिता और श्रद्धा दास दमदार किरदार निभा रहे हैं। यह प्रोजेक्ट फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित और भव धूलिया द्वारा निर्देशित है।

# म्यूजिक कंपोजर मिथुन के साथ जल्द फेरे लेने वाली हैं पलक मुछाल

बॉलीवुड गपशप

फिल्म जगत की मशहूर सिंगर पलक मुछाल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही है। पलक म्यूजिक कंपोजर मिथुन से शादी करने जा रही हैं। पलक और मिथुन 6 नवंबर को सात फेरे लेंगी। उनकी शादी की रस्में 4 नवंबर से शुरू हो जाएंगी। दोनो ने ही सिनेमा जगत में अपना अच्छा मान बनाया है। दोनों लंबे समय से गुपचुप तरीके से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनो ही परिवार की सहमजति से अरेंज मैरिज करने जा रहें है।

4 से 6 तारीख के बीच में हल्दी, संगीत और मेहंदी की रस्में होंगी। पलक और मिथुन की शादी में उनके परिवार को लोग और कुछ करीबी रिश्तेदार ही शामिल होंगे। दोनों ने परिवार की सहमति से ये फैसला लिया है। पलक और मिथुन की शादी में बेहद ही बड़े स्तर पर होने वाली है। जिसके लिए मुंबई के एक पांच सितारा होटल को 5, 6 और सात तारीख के लिए बुक किया गया है। इस शादी में बॉलीवुड के कई सितारे भी शिरकत करेंगे। इस शादी की तैयारियां बहुत तेजी से चल रही है। पलक और मिथुन की शादी में उनके परिवार को लोग और कुछ करीबी रिश्तेदार ही शामिल होंगे।

पलक मुच्छल का जन्म 30 मार्च 1992 में मध्यप्रदेश के इंदौर में हुआ था। उनके पिता का नाम राजकुमार मुच्छल है, जोकि एक संस्था में अकाउंटेंट हैं। उनकी माँ का नाम अमिता मुच्छल है। उनका एक छोटा भाई है-पलाश मुच्छल है। पलक को गाने का शौक बचपन से ही था। उन्होंने चार साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ग्रहण की है। इसके साथ ही पलक को 17 भाषाओं का ज्ञान है। पलक ने अपने हिंदी फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2011 में फिल्म दमादम से की।

# इस लड़के को अंधेरे में भी दिखाई देता है साफ, गिनीज बुक में दर्ज है इसका नाम

क्या आपको अंधेरे में दिखाई देता है? अगर कोई आपसे ये सवाल पूछे तो यकीनन आप उसे सिरफिरा या पागल ही कहेंगे, क्योंकि किसी इंसान को अंधेरे में दिखाई नहीं देता तो ऐसा सवाल पूछना यकीनन अपने आप में पालगपन से भरा ही हो सकता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे लड़के के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे यकीनन अंधेरे में दिखाई देता है और रात के अंधेरे में उसकी आंखें किसी मोती की तरह चमकती है। यही नहीं इस लड़के का नाम इसी वजह से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। दरअसल, चीन में रहने वाले नोंग यूइई नाम के एक लड़के को अंधेरे में साफ दिखाई देता है। ये लड़का चीन के ग्वाजी नाम के एक गांव में रहता है। जब ये छोटा था तब भी उसकी आंखें किसी असाधारण बच्चे की तरह नीले रंग की थी, लेकिन जब अंधेरा होता तो उसकी आंखें किसी जानवर की तरह चमकने लगती। अपने बेटे को देखकर नोंग के माता-पिता भी हैरान थे। जब उन्हें इस बात का पता चला तो वह नोंग को गांव में स्थित डॉक्टर के पास ले गये, पर डॉक्टर ने कहा कि उम्र के बढ़ते इसकी आंखों का रंग अपने आप ठीक हो जायेगा। दिन निकलते गये और एक दिन नोंग अपने स्कूल में दिन के वक्त ठीक से ना देख पाने की शिकायत की। नोंग की शिक्षिका ने देखने के लिए जैसे ही उसकी आंखों पर टॉर्च की रोशनी दी, तब उसकी चमकती आँखों को देख वह भी चौंक गयी। क्योंकि नोंग की आंखों की जांच जब अंधेरे में की गयी तो और भी चौंकाने वाली बात सामने आयी, नोंग अंधेरे में सबकुछ साफ-साफ देख सकता था। इस पर योंग ने बताया कि वह दिन कि अपेक्षा रात में कई ज्यादा स्पष्ट देख सकता है। उसके बाद इस लड़के को देखने और इसकी आंखों की जांच करने वाले डॉक्टरों के कतार लगने लगी। जांच में पता चला की नोंग बंद कमरे के अंधेरे में या रात के अंधेरे में पड़ भी सकता है और सब कुछ देख भी सकता है।

अजब-गजब | कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

# हर साल बढ़ जाती है इस मंदिर के शिवलिंग की लंबाई

हमारे देश में हजारों मंदिर मौजूद हैं इनमें से कुछ मंदिर प्राचीन काल के है तो कुछ मंदिर चमत्कारी भी। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। क्योंकि इस मंदिर में मौजूद शिवलिंग की लंबाई हर साल बढ़ जाती है, ये बात सुनकर भले ही आपको यकीन नहीं हो रहा हो लेकिन बात बिल्कुल सच है। क्योंकि मध्य प्रदेश के खजुराहो में स्थित मतंगेश्वर महादेव मंदिर के शिवलिंग की लंबाई हर साल बढ़ती है। खजुराहो के मतंगेश्वर मंदिर में मौजूद शिवलिंग कई मायनों में खास है। ये मंदिर भगवान शिव के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर में स्थित शिवलिंग 9 फीट जमीन के अंदर है तो 9 फीट ही जमीन के बाहर भी। यही नहीं इसके अलावा मंदिर में मौजूद इस शिवलिंग की लंबाई भी हर साल बढ़ जाती है। शिवलिंग की लंबाई हर साल शरद पूर्णिमा के दिन नापी जाती है जो पिछले साल की तुलना में एक इंच ज्यादा होती है। इसे यहां के अधिकारी इंची टेप से नापते है।

**कार्तिक मास की शरद पूर्णिमा के दिन नापी जाती है शिवलिंग की लंबाई**

मतंगेश्वर महाराज मंदिर के पुजारी के मुताबिक, प्रति वर्ष कार्तिक माह की शरद पूर्णिमा के दिन शिवलिंग की लंबाई एक तिल के आकर के बराबर बढ़ जाती है। शिवलिंग की लंबाई नापने के लिए पर्यटन विभाग के कर्मचारी बाकायदा इंची टेप से नापते हैं। जहां शिवलिंग पहले से तुलना में लंबा मिलता है। यही नहीं, इस मंदिर की एक और विशेषता है। वह ये कि यह शिवलिंग जितना ऊपर की तरफ बढ़ता है, उतना ही नीचे की तरफ बढ़ता है। शिवलिंग का यह अद्भुत चमत्कार देखने के लिए यहां लोगों का सैलाब उमड़ता है। वैसे तो यह मंदिर भक्तों से सालभर भरा रहता है लेकिन सावन माह में यहां भक्तों की भारी भीड़ लगत है। दर्शन करने के लिए लोग लंबी लाइनों में लगे रहते हैं। 1100 साल से ज्यादा पुराना है ये मंदिर बता दें कि ये मंदिर लक्ष्मण मंदिर के पास स्थित है। जो 35 फीट वर्गाकार का है। इसका गर्भगृह भी वर्गाकार है। मंदिर का प्रवेश द्वार पूरब की ओर है। मंदिर का शिखर बहुमंजिला है। इसका निर्माण काल 900 से 925 ई. के आसपास माना जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण चंदेल शासक हर्षदेव के काल में किया गया था। मंदिर के गर्भगृह में विशाल शिवलिंग है जो 8 l5 फीट ऊंचा है। इसका घेरा तकरीबन 4 फीट का है। इस शिवलिंग को मृत्युंजय महादेव के नाम से भी जाना जाता है।

**ये है मंदिर के पीछे की पौराणिक कथा**

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, भगवान शंकर के पास मरकत मणि थी, जिसे शिव ने पांडवों के ज्येष्ठ भाई युधिष्ठिर को दे दी थी। युधिष्ठिर के पास से वह मणि मतंग ऋषि तक पहुंची और उन्होंने राजा हर्षवर्मन को दे दी। मतंग ऋषि की मणि की वजह ही इस मंदिर का नाम मतंगेश्वर महादेव मंदिर पड़ा। ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग के बीच मणि सुरक्षा की दृष्टि से जमीन में गाड़ दी गयी थी। तब से मणि शिवलिंग के नीचे ही है।

# खरना के साथ छठ महापर्व शुरू, बाजार में रौनक

## डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लक्ष्मण मेला स्थल में तैयारियों का लिया जायजा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर लखनऊ में जबर्दस्त उत्साह है। आज खरना के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। छठ घाट की सफाई के साथ ही छठ मइया के प्रतीक सुशोभिता को बनाने व रंगरोगन का काम शुक्रवार शाम को ही पूरा हो चुका है। लक्ष्मण मेला स्थल के छठ घाट पर होने वाले मुख्य आयोजन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस मौके पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लक्ष्मण मेला स्थल का निरीक्षण किया और लोक गायन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

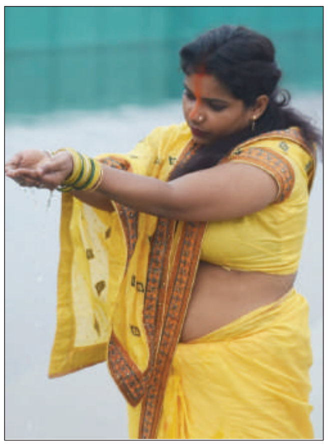

अखिल भारतीय भोजपुरी समाज की ओर से पिछले 39 वर्षों से होने वाला मुख्य आयोजन 30 और 31 अक्टूबर को होगा। सूर्य उपासना के इस पर्व को लेकर बाजार में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूजन में मौसमी फल, सरीफा, केला, अमरुद, सेब, अनन्नास, सूथनी हल्दी, अदरक, सिंघाड़ा, सूप व गन्ने का प्रयोग होता है। बांस की टोकरी में व्रती के पति या बेटा बांस की टोकरी में 6, 12 व 24 की संख्या में फल रखकर घाट तक जाते हैं। छठ गीतों के साथ परिवार के लोग भी व्रती के साथ जाते हैं। 36 घंटे के निर्जला व्रत का समापन 11 को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर होगा। कुछ स्थानों पर इसे डाला छठ भी कहते हैं। आलमबाग, निशातगंज, इंदिरानगर व राजाजीपुरम सहित सभी बाजारों में दुकानदार तैयारियों में जुटे हैं।

### बिहार में नोट पर फोटो की सियासत, तेजस्वी ने केजरीवाल से पूछा

# क्या नोट पर तस्वीर लगाने से हो जाएगा सुधार, मुद्दों पर हो बात

» राजद नेता की कर्पूरी ठाकुर व लालू की तस्वीर लगाने की मांग को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नोट पर गणेश-लक्ष्मी की तस्वीर लगाने की मांग के बाद बिहार में भी इसे लेकर राजनीति गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश महासचिव भाई अरुण ने कहा है कि भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो नहीं बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और जननायक कर्पूरी ठाकुर की तस्वीर छापी जानी चाहिए। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने नोट पर फोटो लगाने की मांग को सिरे से खारिज कर दिया। इसके साथ ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सवाल भी पूछा।

अरविंद केजरीवाल के बयान पर अरुण ने कहा कि हम भी भगवान को मानते हैं पर आधुनिक भगवान लालू प्रसाद हैं। इसलिए गणेश-लक्ष्मी की जगह लालू-कर्पूरी ठाकुर का फोटो होना चाहिए। वहीं बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि नेताओं को असल मुद्दों पर बात करनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या नोट पर तस्वीरें लगाने से देश और जीवन में सुधार होगा? तेजस्वी ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसान, कृषि और बदहाल देश की अर्थव्यवस्था ये जनता के असल और अहम मुद्दे हैं। इन पर बात होनी चाहिए।

# भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा पर अधिकारी से बदसलूकी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में छठ पूजा को लेकर राजनीति तेज हो गई है। यमुना घाट पर छठ की तैयारियों का जायजा लेने गए भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा की अधिकारियों से बहस हो गई। उनका अधिकारी को डांटने का वीडियो भी वायरल हो गया।

आरोप है कि भाजपा सांसद ने गुस्से में आकर एक अधिकारी को कह दिया कि केमिकल तेरे सिर पर डाल दूं क्या। उन्होंने कहा कि यमुना पूरी तरह से जहरीली हो गई है और लोग इसमें अर्घ्य कैसे दे पाएंगे। यमुना में केमिकल वाले झागों को देखकर सांसद ने कहा था कि तुम यमुना में डाल रहे हो, लोग जब डुबकी लगाएंगे तो क्या होगा। इस पर वहां मौजूद एक अधिकारी ने कहा कि आपको कैसे पता कि लोग केमिकल से मर गए हैं। इस पर सांसद की उनसे बहस हो गई। अधिकारी से सांसद की बहसबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

# गुजरात में केजरीवाल ने लगाई वादों की झड़ी, बोले, खत्म कर देंगे भ्रष्टाचार

» बेरोजगारों को तीन हजार वजीफा और महिलाओं को एक हजार मानदेय देगी आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वादों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि अगर आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में आती है तो गुजरात का हर घर प्रति माह तीस हजार के लाभ का हकदार होगा। उनकी पार्टी राज्य में प्राथमिकता के आधार पर भ्रष्टाचार को खत्म करेगी।

पंचमहल जिले के मोरवा हदफ में एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने महंगाई का मुद्दा उठाया और कहा कि वह परिवार के सदस्य की तरह लोगों की मदद करेंगे। गुजरात में देश में सबसे ज्यादा महंगाई है। मैं महंगाई से मुक्ति दिलाऊंगा। एक मार्च के बाद आपको बिजली बिल का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। मैं आपको प्रति माह 27,000 रुपए का लाभ दूंगा। आप के सत्ता में आने पर, एक परिवार बिजली बिल पर 3,000 और शिक्षा पर 10,000 की बचत करेगा। बेरोजगार युवाओं को 3,000 का वजीफा और महिलाओं को 1,000 रुपए का मानदेय दिया जाएगा। इससे हर घर को प्रति माह 30,000 का फायदा होगा। भ्रष्ट विधायकों और मंत्रियों से अवैध कमाई की वसूली की जाएगी। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए विशेष तीर्थयात्रा की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो वाली मांग को गुजरात में दोहराते हुए कहा कि 130 करोड़ भारतीय नोटों पर भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की तस्वीरें चाहते हैं।

## हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव

# कांग्रेस ने तैयार की भाजपा सरकार की चार्जशीट, सीएम भी निशाने पर

लोगों के सामने भ्रष्टाचार का करेगी खुलासा, चुनाव में चार्टशीट को बनाएगी हथियार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। विधान सभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच प्रदेश कांग्रेस भाजपा सरकार के विरुद्ध चार्जशीट जारी करेगी। इसमें मुख्यमंत्री कार्यालय सहित मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने चार्जशीट को करीब दो माह पहले तैयार कर लिया था, लेकिन इसे आज शाम जारी किया जा सकता है। इसे राज्यपाल का सौंपने की जगह पत्रकार सम्मेलन में सार्वजनिक किया जाएगा।

### इन नेताओं ने बनाई चार्जशीट

प्रदेश कांग्रेस ने राजेश धर्माणी की अध्यक्षता में चार्जशीट कमेटी बनाई है। इसमें इंद्रदत्त लखनपाल, बुद्धि सिंह ठाकुर, विनोद सुल्तानपुरी सदस्य व आशीष बुटेल सदस्य सचिव बनाए गए। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने बताया कि चार्जशीट को सार्वजनिक करने के बाद पार्टी इसे लोगों के बीच ले जाएगी।

कांग्रेस का आरोप है कि जयराम सरकार के पांच साल के कार्यकाल में विभिन्न विभागों में गड़बड़ी हुई है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के अनुसार चार्जशीट में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित 10 मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दावा किया जा रहा है कि चार्जशीट में इन आरोपों से जुड़े सुबूत भी हैं। जलशक्ति विभाग, उद्योग, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, स्मार्ट सिटी के काम में भ्रष्टाचार का आरोप है। कई विधायकों पर भी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने चार्जशीट में जलशक्ति विभाग पर करोड़ों रुपये के ठेके दो-तीन कंपनियों को देने का आरोप लगाया है। टेंडर में मनमाने रेट कंपनियों को देकर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। नौकरियों में भाई-भतीजावाद जैसे आरोप लगाए हैं। अन्य विभागों में भी चहेतों और नेताओं के करीबियों को नौकरी देने व राजनीतिक लाभ उठाकर ठेके दिलाने जैसे गंभीर आरोप हैं। एक लाख के बदले पांच लाख रुपये के टेंडर लगाने का भी आरोप है।

# गोला गोकर्णनाथ उपचुनाव : 3 नवंबर को मतदान, 6 को नतीजा

# बसपा-कांग्रेस के वॉकओवर से सपा पहले से मजबूत, भाजपा से सीधी टक्कर

» बिछ चुकी है चुनावी बिसात, सभी की निगाहें इस हॉट सीट पर

» सियासी पिच पर राजनीतिक सूरमा दिखा रहें है अपना दमखम

चेतन गुप्ता

लखनऊ। लखीमपुर जिले की गोला गोकर्णनाथ सीट इस समय सुर्खियों में है। बीजेपी विधायक अरविंद गिरि की इसी साल 6 सितंबर को हार्ट अटैक से मौत के बाद खाली हुई इस सीट पर 3 नवंबर को उपचुनाव होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में इस सीट का रिजल्ट काफी मायने रखता है। बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच सीधी टक्कर है। क्योंकि बीजेपी के खिलाफ अंदरखाने से सभी दल लामबंद है इसीलिए बीएसपी-कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं।

बीजेपी ने अरविंद गिरी के बेटे अमन गिरि को यहां से टिकट दिया है वहीं समाजवादी पार्टी ने पूर्व विधायक विनय तिवारी को चुनावी मैदान में उतारा है। उपचुनाव को लेकर अमूमन सभी का एक ही नजरिया होता है कि जिसकी सरकार होती है उसकी जीत होती है लेकिन इस बार सूबे में सत्तारूढ़ बीजेपी को कुछ खतरा महसूस हो रहा है क्योंकि अंदर खाने से विपक्ष एक है। बीजेपी के दोनों नए कमांडर्स, प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन के लिए गोला गोकर्णनाथ सीट पर होने वाला उपचुनाव एक टेस्ट की तरह है। चुनाव आयोग ने 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान करते हुए गोला गोकर्णनाथ की सीट पर भी इलेक्शन की तारीख बता दी है। आयोग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, 3 नवंबर को वोटिंग के बाद 6 नवंबर को नतीजे आ जाएंगे। बीजेपी हर हाल में इस सीट को जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने कुल 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी, जिनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी शामिल हैं। इसके अलावा स्वतंत्र देव सिंह, राधा मोहन सिंह, धर्मपाल, अरुण सिंह, दिनेश शर्मा, कौशल किशोर, जितिन प्रसाद और सुरेश खन्ना का नाम भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में है। ये सीट बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई है क्योंकि योगी सरकार पार्ट-2 के 6 महीने के कामकाज पर आम जनता की क्या प्रतिक्रिया है, इसका पता इस सीट के नतीजों से चलेगा। वैसे तो चुनाव सिर्फ एक सीट पर है पर बीजेपी कोई रिस्क लेना नहीं चाहती इसीलिए कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार, बलदेव सिंह ओलाख लगातार यहां पर चुनावी रैलियां और डोर टू डोर वोट मांग रहे है। साथ ही योगी सरकार में दो मंत्री सुरेश राही और सतीश शर्मा भी जनसंपर्क अभियान में जुटे हैं। इससे पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी प्रचार करने जा चुके हैं। केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर को भी पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगने भेजा जा चुका है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी एक दिन पहले ममरी में जनसभा कर चुके है। 31 अक्टूबर को सीएम योगी आदित्यनाथ की भी बड़ी चुनावी रैली है। वहीं समाजवादी पार्टी भी पूरा दम लगाए हुए हैं। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव पहली बार किसी चुनावी अभियान में हिस्सा लेंगे। सपा प्रत्याशी के पक्ष में उनकी चुनाव रैली भी प्रस्तावित है। 2012 में विनय तिवारी सूबे में सपा की लहर में इसी सीट से चुनाव जीत विधायक रह चुके है।

## बाढ़ बन सकता है चुनावी मुद्दा

लखीमपुर खीरी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। इस बार लगातार हुई बारिश से इस विधानसभा के लोगों ने भी बाढ़ का कुछ ज्यादा ही दंश झेला। सरकार की ओर से बाढ़ के दौरान किए राहत और बचाव के कामों को भी मतदाता कसौटी पर कसेंगे। शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी की खबरों से बीजेपी हाईकमान भी चिंतित हैं। स्थानीय सपा नेताओं का दावा है कि बीजेपी सरकार लोगों तक मदद पहुंचाने में फेल रही है।

## जातीय समीकरणों पर टिका है पूरा चुनाव

वैसे तो इस सीट पर सभी जातियों का वोट है लेकिन ओबीसी में आने वाले कुर्मी और मुसलमानों का वोट सबसे ज्यादा है। आमतौर पर यूपी में कुर्मी बीजेपी के साथ है और मु सलमान समाजवादी पार्टी को वोट देता है। इस चुनाव में बसपा-कांग्रेस से प्रत्याशियों के न खड़ा किए जाने से मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा के खाते में जाने की उम्मीद है जो सपा के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। वहीं बीजेपी के सामने इस सीट को बच ए रखने की बड़ी चुनौती है। रामपुर और आजमगढ़ के लोकसभा उपचुनाव में भी समा जवादी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी थी लेकिन अगर इस चुनाव में सपा को जीत मि लती है तो ये एक तरह से बूस्टर डोज का काम करेगा।

## पिता के नाम पर मिल सकता है सहानुभूति वोट

बीजेपी के रणनीतिकारों को मानना है कि अरविंद गिरि इस सीट से पांच बार विधायक चुने गए थे। यहां के लोग उनके काम से खुश हैं। गिरि के परिवार की छवि भी ठीक है। ऐसे में अमन गिरि को यहां पर सहानुभूति का फायदा मिल सकता है। लॉ से ग्रेजुएट अमन गिरि हालांकि अपने पिता के लिए चुनाव प्रचार में हिस्सा लेते थे लेकिन कभी सीधे तौर पर पार्टी से नहीं जुड़े थे।

## पिछले विधानसभा चुनाव में वोट बैंक का प्रतिशत

बीते विधानसभा चुनाव में बीजेपी को यहां पर 48.67 प्रतिशत वोट मिला था जबकि सपा को 37.40 फीसदी, बीएसपी को 10.37 और कांग्रेस को 1.35 फीसदी वोट मिले थे। यहां पर कुल वोटरों की संख्या 3.96 लाख है। आकड़ों पर नजर दौड़ाए तो विपक्ष का वोट एकतरफा सपा के खाते में जाए तभी उसकी जीत संभव है।

# ट्रैक्टर से टकराई बाइक, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

» बुलंदशहर के गुलावठी कोतवाली इलाके में हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब सूबे के बुलंदशहर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक मासूम समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। गुलावठी कोतवाली इलाके में हुए हादसे में मारे गए लोगों में मां, बेटा और बेटी शामिल हैं। हादसा ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत के कारण हुआ। हादसे के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

वहीं ट्रैक्टर चालक फरार है। पुलिस ने खबर लिखे जाने तक मृतकों के नाम की पुष्टि नहीं की हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

## सास और पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाया

लखनऊ। सहारनपुर में जनकपुरी कोतवाली क्षेत्र की कृष्णा धाम कॉलोनी में ससुराल में रह रहे युवक ने पत्नी को साथ में ना भेजने पर अपनी सास और पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जिसमें सास की मौत हो गई जबकि पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार शामली निवासी नितिन कुमार की शादी कृष्णाधाम कालोनी निवासी पायल की बेटी रितिका से हुई थी। नितिन काफी समय से अपनी पत्नी के साथ ससुराल में ही रह रहा था। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी को ले जाने की बात कह रहा था। लेकिन, सास पायल ने इससे इंकार कर दिया। इसके बाद विवाद हुआ। शनिवार सुबह करीब चार बजे नितिन ने पेट्रोल छिड़ककर घर में आग लगा दी, जिससे सास पायल और पत्नी रितिका गंभीर रूप से झुलस गई। पायल की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने आरोपी नितिन और रितिका को अस्पताल में भर्ती कराया।

फोटो :4 पीएम

**प्रेस वार्ता** लोक भवन में पत्रकारों से बात करते कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज सिंह।

# वेस्ट यूपी के सबसे बड़े मेले में पशुओं की नो एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। पश्चिम उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े कार्तिक मेले में इस बार गोवंश और भैंस वंशों की नो एंट्री रहेगी। पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज के चलते योगी सरकार ने यह बड़ा फैसला लिया है। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में गंगा किनारे लगने वाले कार्तिक मेले में पश्चिम उत्तर प्रदेश के लगभग 25 लाख श्रद्धालु आते हैं। इस मेले में तमाम किसान और पशुओं के शौकीन अपने भैंसा बुग्गी से पहुंचते हैं और यहां पशुओं की प्रदर्शनी के साथ-साथ विपणन भी किया जाता है, लेकिन लम्पी बीमारी के प्रकोप को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने इस बार इस परंपरा पर बैन लगा दिया है। हापुड़ जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सीमावर्ती आसपास के तमाम जिलों को पत्र भेजते हुए कहा कि उनके जिले से कोई भी व्यक्ति हापुड़ में पशु लेकर ना आए, अगर कोई ऐसा करता है तो उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।